प्रल्हाद जोशी
PRALHAD JOSHI
ಪ್ರಲ್ಹಾದ ಜೋಶಿ

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली
MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS,
COAL AND MINES
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI

संदेश

हमारा देश एक बहुभाषी देश है। यहां अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से हिंदी सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली जाती है। यह देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है, साथ–साथ राष्ट्रीय एकता की कड़ी भी है। इसने जनमानस की आकांक्षाओं को पूरा किया है। इसी को ध्यान में रखते हुए संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को यह निर्णय लिया गया था कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। इसी उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष इस दिन हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है।

वर्तमान समय में पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी का गौरव बढ़ाया है। हिंदी देश की संस्कृति और संस्कार की प्रतिबिंब है। हमारा संवैधानिक दायित्व है कि हम अपनी राजभाषा के प्रति जागरूक हों, इसे उचित सम्मान दें और सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने में गौरव का अनुभव करें।

आजकल सभी सरकारी कामकाज का डिजिटाइजेशन किया जा रहा है और हम पेपरलेस ऑफिस की तरफ बढ़ रहे हैं। हिंदी एक समृद्ध भाषा है और विगत वर्षों में हिंदी के प्रयोग में सकारात्मक वृद्धि हुई है। कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने की सुविधा तथा इंटरनेट और सोशल मीडिया पर हिंदी के बढ़ते प्रयोग और प्रभाव के कारण वैश्विक स्तर पर हिंदी का प्रसार तेजी से बढ़ा है। यूनिकोड तथा अन्य टूल्स के कारण हिंदी में काम करना आसान हो गया है। आज हिंदी में वॉयस टाइपिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। आवश्यकता इस बात की है कि हम इस प्रकार की नवीनतम सुविधाओं का लाभ उठाएं और हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार को गति प्रदान करें।

मैं कोयला मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालय, स्वायत्त संगठन और कंपनियों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करता हूं कि 'हिंदी दिवस' के अवसर पर हम सभी संकल्प लें कि ज्यादा–से–ज्यादा कार्यालयी काम हिंदी में करेंगे और दूसरों को भी हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करेंगे।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

प्र वें जोशी

(प्रल्हाद जोशी)